रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) और (ख) एक विवरण संलग्न है (नीचे देखिए)

(ग) जी नहीं.

विवरण

(क) पश्चिम रेलवे द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान निम्नलिखित स्टेशनों पर स्क्रैप के निपटान से प्राप्त राजस्व आमदनी इस प्रकार है:—

(लाख रुपयों में)

स्टेशन	1993-94	1994-95	1995-96
अहमदाबाद	853.88	1132.81	978.86
बडोदरा	115.73	209.40	357.50
मुम्बई	457.13	653.52	960.52
सूरत	—	65.55	76.37
भरुच	—	—	58.07
गोधरा	20.50	21.70	80.87
दाहोद	732.00	900.09	740.00
नांडियाड	—	30.13	1.37

(ख) निम्नलिखित स्टेशनों पर पश्चिम रेलवे के पास उपलब्ध स्क्रैप की कुल मात्रा इस प्रकार है:—

स्टेशन	उपलब्ध स्क्रैप की मात्रा (मि०ट० में)	अनुमानित मूल्य (लाख रुपयों में)
अहमदाबाद	1868	150.00
बडोदरा	2094	164.60
मुम्बई	968	130.40
सूरत	30	2.00
भरुच	51	3.60
गोधरा	—	—
दाहोद	168	25.18
नांडियाड	—	—

उर्वरक कारखाने

3206. **श्री रामजी लाल:** क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में कुल कितने उर्वरक कारखाने है और इन कारखानों में उत्पादन का राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में कितने प्रकार के उर्वरक इस्तेमाल किये जाते है और प्रत्येक का उत्पादन कितना है;

(ग) देश में उर्वरकों की कुल वार्षिक आवश्यकता कितनी है और कितनी मात्रा में उर्वरकों का आयात किया जा रहा है;

(घ) क्या सरकार उर्वरकों के आयात से बचने हेतु देश में और उर्वरक संयंत्र स्थापित करेगी;

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(च) यदि हां, तो कब तक और कहां-कहां पर स्थापित किये जायेंगे?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शीश राम ओला): (क) देश में 59 बड़े आकार के उर्वरक संयंत्र हैं जो अनेक किस्म के नाइट्रोजनी, फास्फेटिक और काम्पलैक्स उर्वरकों का निर्माण करते हैं। इनमें से 9 एकक उप उत्पाद के रूप में अमोनिया सल्फेट का उत्पादन करते हैं। इसके अलावा, लगभग 80 माध्यम और लघु आकार के सिंगल सुपर फास्फेट एकक हैं। 1995-96 में उर्वरकों का राज्यवार उत्पादन विवरण पर दिया गया है।

(ख) देश में प्रयोग किए जाने वाले उर्वरकों और 1995-96 में उनका उत्पादन विवरण 11 में दिया गया है।

(ग) चालू वर्ष के दौरान उर्वरकों की अनुमानित आवश्यकता 114.29 लाख मी० टन नाइट्रोजन, 39.23 लाख मी० टन फास्फेट तथा 15.35 लाख मी० टन पोटाश है।

1996-97 के दौरान संभावित उर्वरक आयात की कुल मात्रा को बताना संभव नहीं है क्योंकि यह अनेक कारणों पर निर्भर करता है जैसे कि—स्वदेशी उत्पादन की प्रवृत्ति, देश में उर्वरकों की खपत, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मूल्यों की स्थिति, विश्वव्यापी मांग तथा आपूर्ति, भुगतान संतुलन आदि।

(घ) से (च) उर्वरक क्षेत्र में भारत सरकार का नीतिगत उद्देश्य जैसा कि विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में दर्शाया गया है, आयातों के माध्यम से मात्रा थोड़ी सी मात्रा को पूरा किए जाने को छोड़कर हमारे अपने ही फीडस्टाक के उपयोग के आधार पर नाइट्रोजन के उत्पादन में अधिकतम आत्मनिर्भरता प्राप्त करना रहा है। समग्र आपूर्ति योजना में आयातों की भूमिका आवश्यक रूप से "अवशिष्ट" थी ताकि एक तरफ मांग में उतार-चढ़ाव को उचित ढंग से रोका जा सके तथा

उपलब्धता एवं मूल्यों की प्रवृति के आधार पर प्रतिस्पर्धात्मक मूल्यों पर माल की आपूर्ति के लिए विश्वव्यापी मांग आपूर्ति स्थिति का लाभ उठाया जा सके। जहां तक फास्फेट का संबंध है, घरेलू कच्चे मालों की बाधाएं उत्पादन में लगभग पूर्णरुपेण आत्म निर्भरता प्राप्त नहीं होने देती है। इसकी पहचान करके सरकार ने एक सुविचारित मिश्रित नीति को स्वीकार किया है जिसमें आवश्यक रूप से आयातित रॉक फास्फेट और सल्फर तथा आयातित मध्यवर्तियों अर्थात् अमोनिया और फास्फोरिक एसिड और तीसरे विकल्प के रूप में डी ए पी के आयात पर आधारित घरेलू उत्पादन शामिल है।

देश में पोटाश का कोई ज्ञात तथा वाणिज्यिक रूप से दोहन योग्य भण्डार नहीं है और मजबूरन पोटेसिक उर्वरकों की संपूर्ण आवश्यकता को आयातों के माध्यम से पूरा किया जाता है। पोटाश वाले मिश्रित उर्वरकों के मामले में भी पोटासिक मात्रा पूर्णरुपेण आयात पर आधारित है।

उपरोक्त नीतिगत उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए उर्वरक उद्योग को लाइसेंसमुक्त कर दिया गया है। तथापि, उर्वरक विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक/सहकारी क्षेत्र के एककों ने उर्वरक उत्पादन बढ़ाने के लिए निम्नलिखित कार्यनीति को अपनाया है:—

(I) विद्यमान उर्वरक संयंत्रों का विस्तार/रेरेल ट्रोफिटिंग/पुनरुद्धार करना।

(II) नेफथा पर आधारित उर्वरक संयंत्रों की स्थापना करके प्राकृतिक गैस की उपलब्धता में बाधाओं को दूर करना तथा विद्यामन संयंत्रों एवं कार्यान्वयनाधीन परियोनाओं में द्वैध इंधन/फीडस्टास सुविधाएं स्थापित करना, और

(III) प्रचुर तथा सस्ते कच्चे माल भण्डार वाले देशों में संयुक्त उद्यम परियोजनाओं की स्थापना करना।

सार्वजनिक/सहकारी क्षेत्र में कार्यन्वयनाधीन प्रमख उर्वरक परियोजनाओं के ब्यौरे विवरण में हैं।

विवरण-I

1995-96 के दौरान उर्वरक पोषकों का राज्यवार उत्पादन

(हजार मि॰ टन)

राज्य का नाम	1995-96	
	नाइट्रोजन	फास्फेट
दक्षिणी क्षेत्र		
आन्ध्र प्रदेश	533.3	271.7
केरल	313.3	149.5
कर्नाटक	122.3	38.8
तमिलनाडु	627.5	355.1
योग (एस जैड):	**1596.4**	**815.1**
पश्चिमी क्षेत्र		
गोवा	253.0	81.4
मध्य प्रदेश	404.0	80.3
महाराष्ट्र	931.0	210.7
गुजरात	1888.1	741.0
राजस्थान	592.7	23.4
योग (डब्ल्यू जैड):	**4068.8**	**1136.8**

राज्य का नाम	1995-96	
	नाइट्रोजन	फास्फेट
पूर्वी क्षेत्र		
बिहार	135.6	29.0
उड़ीसा	204.3	281.9
पश्चिमी बंगाल	76.5	128.3
असम	64.7	0.0
योग (ई जैड)	481.1	439.2
उत्तरी क्षेत्र		
हरियाणा	245.1	10.8
पंजाब	478.4	60.1
उत्तर प्रदेश	1907.2	95.9
योग (एन जैड):	2630.7	166.8
योग (अखिल भारत)	8777.0	2557.9

विवरण II

1995-96 के दौरान उर्वरकों का उत्पादवार उत्पादन (हजार मीट्रिक टन)

उत्पाद का नाम	उत्पादन 1995-96		
	मात्रा	एन	पी
यूरिया	15819.7	7277.1	0.0
ए/एस	634.6	133.3	0.0
सीएएन	491.0	122.8	0.0
ए/सी	137.5	34.4	0.0
डीएपी	2646.8	476.4	1217.5
20:20	1350.0	270.0	270.0
एसएसपी	2984.4	0.0	477.5
15:15:15	313.4	47.0	47.0
20:7:20.7	238.0	49.3	49.3
17:17:17	724.1	123.1	123.1
10:26:26	274.5	27.5	71.4
12:32:16	360.2	43.2	115.3
14:35:14	32.3	4.5	11.3
19:19:19	177.4	33.7	33.7
28:28	262.9	73.6	73.6
16:20	175.5	28.1	35.1
23:23	144.3	33.2	33.2
योग:	26766.6	8777.0	2558.0

विवरण III

देश में सार्वजनिक/सहकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कार्यान्वित की जा रही प्रमुख उर्वरक परियोजना के ब्यौरे

क्रमांक	कंपनी/सहकारी समिति का नाम	स्थान	अनुमानित पूंजी लागत (रु० करोड़ में)	परिकल्पित उत्पादन उत्पाद क्षमता (लाख रु०) (लाख मी० ट० प्र०व०)	शून्य तारीख	आरम्भण की संभावित तिथि	
1.	इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लि० (इफको)	आवंला (उ०प्र०) (विस्तार)	960.00	यूरिया	7.26	30.9.1993	1.1.1997
2.	इफको	कलोल (गुजरात) (विस्तार)	119.08	यूरिया	1.50	1.3.1995	1.9.1997
3.	इफ्को	फुलपूर (उ०प्र०) (विस्तार)	993.00	यूरिया	7.26	20.4.1995	20.1.1998
4.	नेशनल फटिलाइजर्स लि० (एनएफएल)	विजयपुर (म०प्र०) (विस्तार)	987.30	यूरिया	7.26	30,9.1993	1.1.1997
5.	मद्रास फटिलाइजर्स लि०	मनाली (मद्रास) (विस्तार)	487.47	यूरिया एनपीके	0.76) 1.84)	1.1.1993	31.12.1996
6.	फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स ट्रावनकोन लि०	उद्योग मंडल, केरल (अमोनिया प्रतिस्थापन संयंत्र)	618.00	अमोनिया	2.97	10.5.1993	30.6.1997

क्रमांक	कंपनी/सहकारी समिति का नाम	स्थान	अनुमानित पूंजी लागत (रु० करोड़ में)	परिकल्पित उत्पादन क्षमता (लाख रु०) (लाख मी० ट० प्र०व०)	शून्य तारीख	आरम्भण की संभावित तिथि
7.	नेशनल फर्टिलाइजर्स लि०	नांगल, पंजाब (डी-बाटललेनेकिंग)	50.00	यूरिया	2.14	टर्न की कांट्रेक्टर के साथ समझौता होने के पश्चात् शून्य तारीख और आरम्भण की संभावित तारीख सूचित की जायेगी।
8.	राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लि०	थाल चरण-i	49.00	यूरिया	1.65	7.3.1994 7.10.1996
		(अमोनिया रेट्रोफिट चरण-ii)	93.00	यूरिया	1.10	1.11.1995 1.11.1997